Sai Social Responsibility Research Centre

104, B.D. Chamber, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi – 110005

Activity – Report (2023 - 2024)

पर्यावरण दिवस	5 जून 2022
International YOGA DAY @SDFY SLUM	21 जून 2022
15Th August celebrations	15 August 2022

पर्यावरण दिवस

दिनांक **5** जून **2022** को साईं सोशल रेस्पोंसिविटी रिसर्च सेंटर सफदरगंज प्लाइओवर की झुग्गी में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया । इसका उद्देश्य समाज के विभिन्न लोगो के तबकों के प्रति जागरूक करना था । इस कार्यक्रम का उद्देश्य निवासियों को स्वच्छता प्रदूषण नियंत्रणं और पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराना था

इस दिन विद्यालयों**,** महाविद्यालयों**,** दफ्तरों और विभिन्न संस्थानों में वृक्षारोपण कार्यक्रम रैलियाँ**,** चित्रकला भाषण और निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। लोग पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प लेते हैं। और स्वच्छता जल संरक्षण तथा प्लास्टिक के कम उपयोग पर जोर दिया जाता है।

साईं सोशल रेस्पोंसिविटी रिसर्च सेंटर ने कार्यक्रम की शुरुआत झग्गी **-**बस्ती क्षेत्र के बच्चों द्वारा जागरूकता रैली से हुई। हाथों में तख्तियां और नारों के माध्यम से उन्होने संदेश दिया **।**

"स्वच्छता अपनाओं, बीमारिओं को भगाओ", स्वच्छ पर्यावरण से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। और "पेड लगाओ, जीवन बचाओ"। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ताओ और **(SSRRC)** की निर्देशिका डां सुशि सिंह ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक का अधिक उपयोग न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाता है। इस अवसर पर लोगों से कपड़ेऔर जूट के थैले इस्तेमाल करने की अपील की गई और कपड़े की थैलियां भी वितरित की गई।

इसके बाद झुग्गी क्षेत्र की सफ़ाई अभियान चलाया गया।स्वयंसेवकों ने कचरा इकट्ठा किया और बच्चों को बताया कि गीलेऔर सूखे कचरे को अलग -अलग

रखना क्यों ज़रूरी हैं। महिलाओं और युवाओं ने भी बढ़- चढ़कर इसमें हिस्सा लिया।

पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग डॉ सुशि मैम ने वृक्षारोपण से किया ।बच्चों,महिलायों और बुजुर्गों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताया और सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। इसके बाद हम सब मिल के परिसर में नीम पीपल,अशोक,आम,और अमरूद लगाए।स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और झुग्गी बस्ती के लोगो ने इन पौधो की देखभाल करने का वादा किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने पर्यावरण विषय पर नाटक और गीत प्रस्तुत किए। साथ ही निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें

झुग्गी-बस्ती के बच्चों ने आगे बढ़- चढ़कर के हिस्सा लिया ।पर्यावरण हमारी जीवनरेख है, इसके बिना जीवन असंभव है। पानी की हर बूंद बचाना ही भविष्य को सुरक्षित बनाना है।

आज प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण पर्यावरण असंतुलित हो रहा है। इसका सीधा प्रभाव जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर पड़ रहा है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित जीवन देना है तो पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने होगें।

पर्यावरण की रक्षा करना केवल सरकार की नहीं बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। झुग्गी क्षेत्र में आयोजित साईं सोशल रेस्पोंसिबिलिटी एवं रिसर्च सेंटर

का यह कार्यक्रम न केवल एक दिन की गतिविधि रहा, बल्कि वहाँ के लोगों को पर्यावरण और स्वच्छता की आदत आपनाने के लिए प्रेरित करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। कार्यक्रम के साथ ही यह संदेश भी दिया कि अंत में सभी उपस्थित बच्चों युवाओं एवं महिलाओं ने यह संकल्प लिया कि वे अपने क्षेत्र को स्वच्छ रखेंगे पानी की बार्वादी नहीं करेंगे अधिक से अधिक पौधे लगाएगे। साईं सोशल रेस्पोंसिबिलिटी एवं रिसर्च सेंटर की यह पहल छोटी पर महत्वपूर्ण रहेगी।

साईं सोशल रेस्पोंसिबिलिटी एवं रिसर्च सेंटर की इस आयोजन ने झुग्गी क्षेत्र के लोगों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई चेतना जागृत की। यह कार्यक्रम वहाँ के जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

Sai Social Responsibility Research Centre

104, B.D. Chamber, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi – 110005

21 June 2022

International YOGA DAY @SDFY SLUM

साई सोशल रेस्पोंसिबिलिटी एव रिसर्च सेंटर (**SSRRC)** ने दिनांक **21** जून 202**2** प्रातः 6 से **10** बजे तक सफदरगंज फलाईओवर के नीचे **(Slum)** में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया।

अन्तराष्ट्रीय योगा दिवस विश्व में अलग–अलग तरीके से मनाया जाता है। परन्तु (**Slum)** झुग्गी बस्ती क्षेत्रों में अन्तरारष्ट्रीय योगा दिवस का आयोजन करना अपने -आप में एक मिसाल भी है और गर्व का विषय भी है। कार्यक्रम का उद्देश्य झुग्गी -बस्ती में रहने वाले लोगों को योग के प्रति जागरूक करना तथा उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाना था।

इस आयोजन में हमारी निर्देशिका डॉ.सुशि सिंह ने स्थानीय बच्चों**,** महिलाओं और बुजुर्गो को उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिये प्रेरित किया । यह दिन योग के महत्त्व को बढ़ावा देने और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्ररित करने के लिए निर्धारित किया गया है।

झुग्गी-बस्ती क्षेत्रो में रहने वाले लोगों और हम सब ने मिलकर आयोजन स्थल पर साफ-सफाई की और प्रतिभागियों के मुफत योगा मैट और पानी की बोतले प्रदान की । यह कार्यक्रम प्रातः 6:00 बजे से स्लम एरिया मे प्रारंभ हुआ। शिक्षक द्वारा सरल योगासन और प्राणायाम की विधियां बताई गई, जिन्हें हर उम्र के लोग आसानी से कर सकते है। खासतौर पर बच्चों महिलाओं और बुजुर्गो को ध्यान में रखकर योग सिखाया गया।

लगभग 50-60 से अधिक लोगो ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। विशेषकर महिलाओं और बच्चों में योग के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला। अधिकांश लोगों ने बताया कि योग से उनकी थकान कम हुई और वे खुद को तरोताजा महसूस कर रहे है। महिलाओ ने खासकर प्राणायाम और ध्यान को बहुत उपयोगी बताया। बच्चों ने भी योग के सरल आसनों में रुचि दिखाई। कार्यक्रम के अंत में स्वस्थ जीवन के लिए योग पर लघु व्याख्यात दिया गया।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को नाश्ता और पानी की व्यवस्था भी की गई।

- भविष्य में नियमित योग कक्षा शुरू करने की योजना बनाई गई है।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को योग दिवस की दी गई और आगे भी नियमित योग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। झुग्गी क्षेत्र में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस का यह आयोजन न केवल सफल रहा बल्कि लोगों के जीवन में स्वास्थ्य और सकारात्मकता का संदेश भी लेकर आया। आयोजकों और स्वयंसेवको के सहयोग से यह कार्यक्रम प्रेरणादायक सिध्द हुआ। इससे यह सिद्ध हुआ कि सीमित संसाधनों के बावजूद**,** यदि इच्छाशक्ति हो तो स्वास्थ्य और आत्म-संयम में न केवल बड़ा

परिवर्तन लाया जा सकता है बल्कि समुदाय में सकारात्मक सोच और एकता को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।भविष्य में ऐसे और क्रार्यक्रमों की आवश्यकता महसूस की गई / प्रतिमाह योग सत्र का आयोजन करने की योजना बनाई गई है ताकि यह प्रयास एक स्थायी आदत में बदल सके । आखिरकार साई सोशल रेस्पोंसिबिलिटी एव रिसर्च सेंटर के स्वयंसेवकों ने आयोजकों का एवं स्थानीय लोगो को धन्यवाद किया ।

Sai Social Responsibility Research Centre

104, B.D. Chamber, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi – 110005

15 August 2022

15 Th August celebrations @SSRRC at safderjung

साईं सोशल रेस्पोंसिविलिटी रिसर्च सेटर (SSRRC) ने दिनांक 15 August 2022 को 8 बजे सफदरगंज (पालाईओवर के नीचे झुग्गी-बस्ती में सबने मिलकर स्वतंत्रता दिवस का पर्व मनाया।

15 अगस्त को पूरे देश की तरह एक स्थानीय झुग्गी-वस्ती में भी स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वजा फहराने के साथ हु ई, जिसे साई सोशल रेस्पोसिविलिटी रिसर्च सेंटर की निर्देशिका डाँ सुशी सिंह द्वारा संपन्न किया गया। इसके पश्चात सभी ने मिलकर कर गर्व के साथ राष्ट्रगान 'जग गण मन' से की गई। इस दौरान वातावरण "भारत माता की जय" और वंदे मातरम्" के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिनमें देशभक्ति गीत, कविताएँ और नत्य शामिल थे। स्वतंत्रता शामिल थे | स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित नाटकों ने सभी दर्शकों को भावुक कर दिया। बच्चों की प्रतिभा और उनके उत्साह ने समारोह को जीवंत बना

दिया। इस आयोजन में स्थानीय सामाजिक और स्वयंसेवकों ने भी सहयोग किया। बच्चो को मिठायाँ और स्टेशनरी वितरित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने देश की आजादी के महत्व, देशभक्तो के बलिदान और शिक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

हालाँकि संसाधन सीमित थे, लेकिन उत्साह और प्रेम की कोई कमी नहीं थी। चारो ओर तिरंगे झंडे, रंगोली और बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर, पतंग,से वातावरण देशभक्ति से सराबोर था।

कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने कविता पाठ किया

"सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है...."

" सारे जहाँ से अच्छा"

जिसे सुनकर उपस्थित लोग भावुक हो उठे। कुछ बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों जैसे महात्मागांधी ,भगत सिंह,रानी लक्ष्मी बाई और सुभाष चंद्र बोस की भूमिका निभाकर छोटा नाटक प्रस्तुत किया। उनकी मेहनत और जोश देखकर सभी लोग गर्व महसूस कर रहे थे। उनकी छोटी छोटी प्रस्तुतियो ने साबित किया कि सच्चा देशप्रेम साधनो का मोहताज नहीं ,बल्कि दिल की गहराइयों से आता है।

कार्यक्रम के अंत में, सभी ने मिलकर स्वच्छता अभियान भी चलाया और अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ किया , जिससे यह संदेश गया कि सच्ची देशभक्ति केवल नारों में नहीं, बल्कि कर्म में होती है| इस प्रकार यह आयोजन न सिर्फ म्नोरंजान का स्त्रोत रहा , बल्कि लोगो को एकता , सेव और देशप्रेम का सिख सिखा गया।

आज का दिन हम सब के लिए खास था। झंड। फहरते ही ऐसा लगा जैसे आसमान भी खुश हो गया हो। झुग्गी झोपड़ी क्षेत्र में हुए इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि देशभक्ति की भावना साधनों पर निर्भर नही करती, बल्कि हर भारतीय के दिल में समान रूप से बसती है।